CENTRAL UNIVERSITY OF ODISHA, KORAPUT
OFFICE OF THE PUBLIC RELATIONS

PRESS RELEASE, DATE: 05 JULY 2020

कोविद -19 के बीच व्यापार और भारत की विदेश नीति पर वेबिनार

कोविद -19 के बीच व्यापार और भारत की विदेश नीति पर एक वेबिनार संयुक्त रूप से ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट द्वारा एफआईडीआर इंडिया के सहयोग से 4 जुलाई 2020 को आयोजित किया गया था। Vietnam के महावाणिज्यदूत डॉ। मदन मोहन सेठी , वेबिनार के मुख्य वक्ता और श्री चारुदत्त पाणिग्रही, अध्यक्ष, फोरम फॉर इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट एंड रिसर्च , हरियाणा पैनलिस्ट थे। Prof. I. Ramabrahmam, माननीय कुलपति, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने वेबिनार का उद्घाटन किया और उनका विचार था कि विदेशी व्यापार और व्यापार नीति की हमारी अपनी रणनीतियों की समीक्षा करना अनिवार्य है। ऐसी स्थिति में एक व्यावहारिक समाधान खोजना हालांकि एक आसान काम नहीं है , लेकिन यह संभव है और बहु-विषयक इनपुट और दृष्टिकोण से इनपुट की आवश्यकता होगी।

डॉ सेठी ने बताया कि कैसे वास्तविक चुनौतियों और दूसरों से सीखने ने उनके व्यक्तित्व को बढ़ावा दिया। उन्होंने भारत के विदेश मंत्रालय में निदेशक सेंट्रल यूरोप डिवीजन के रूप में काम करने के अपने अनुभव को साझा किया और कठिन COVID समय के दौरान भारत की विदेश नीति और क्षेत्र में वैश्विक व्यापार और सामान्य रूप से व्यापार के महत्व पर प्रकाश डाला। म्यांमार के महावाणिज्यदूत के रूप में अपने अनुभव के संबंध में डॉ। सेठी ने विस्तार से बताया कि हमें अपनी विदेश नीति के निर्माण में भारतीय उपमहाद्वीपों और अपने निकटवर्ती पड़ोसियों को कैसे देखना चाहिए और Vietnam के साथ कार्यात्मक संबंध बनाने के बारे में अपनी दृष्टि श्री पाणिग्रही के साथ साझा की। कोरापुट, आदिवासी समुदायों के साथ एक संसाधन संपन्न भूमि होने के नाते , प्रोफ़ेसर दुर्गा प्रसाद , विजिटिंग प्रोफेसर, समाजशास्त्र द्वारा व्यक्त किए गए पर्यटन विकास और पारंपरिक शिल्प के लिए टैपिंग अवसरों की आवश्यकता है। वियतनाम के हालोंग बे अनुभव को पर्यटन को बढ़ावा देने में आदिवासी युवाओं को शामिल करने के लिए शुरुआती बिंदु के रूप में देखा गया, डॉ। प्रसाद ने निष्कर्ष निकाला। ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय को देश के बढ़ते विश्वविद्यालयों में से एक बनाने के लिए, माननीय कुलपति ने वियतनाम के साथ संबंधों की खोज करने की आवश्यकता महसूस की। डॉ। सेठी ने वियतनाम विश्वविद्यालयों और अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थानों के साथ छात्र विनिमय कार्यक्रमों और संकाय विकास कार्यक्रमों को पूरा करने में मदद करने पर सहमति व्यक्त की। सीयूओ के युवा दिमागों के लिए खुद को एक रोल मॉडल के रूप में देखते हुए, उन्होंने उन्हें कड़ी मेहनत का अध्ययन करने और अन्य पड़ोसी देशों और विकासशील देशों के साथ प्रगति का मिलान करने की सलाह दी।

श्री चारुदत्त पाणिग्रही ने COVID संबंधित व्यापार प्रतिबंधों के संदर्भ में व्यापारिक राष्ट्रों के बदलते संरेखण के बारे में महत्वपूर्ण प्रश्न उठाए। डॉ। सेठी को मिट्टी का पुत्र 'बताते हुए, उन्होंने उम्मीद जताई कि डॉ। सेथी हमें पिछड़े लेकिन संभावित रूप से मजबूत जिलों जैसे कोरापुट में बदलने में मदद करेंगे। वियतनाम से क्षेत्र अध्ययन, केस अध्ययन और vignettes, CUO के छात्रों की शिक्षा को समृद्ध करेंगे, उनकी समापन टिप्पणी थी।

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से सहायक प्रोफेसर और HoD I/c., अर्थशास्त्र विभाग डॉ. मिनाती साहू ने वेबिनार का समन्वय किया। डॉ। साहू ने आज के समय में इसकी प्रासंगिकता के बारे में संक्षेप में विषय पर प्रकाश डाला। इस वेबिनार में देश और विदेश के विभिन्न हिस्सों से प्रतिभागियों ने भाग लिया। पैनल चर्चा के अंत में, मुख्य वक्ता द्वारा प्रतिभागियों के सवालों का जवाब दिया गया। अंत में, मिस्टर बिस्वजीत भोई, सहायक प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग द्वारा धन्यवाद के साथ इस कार्यक्रम का समापन किया गया।

डॉ. फगुनाथ भोई, जनसंपर्क अधिकारी